Reg. Waiving off loan to farmers including setting up of Intervention-Centre in view of devicing strategies for farmers to deal with climate change problem

श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले **(**बारामती**):** सर, मैं महाराष्ट्र राज्य से आती हूं और मेरे निर्वाचन क्षेत्र बारामती का किसान बहुत दिक्कत में आया हुआ है । बारामती के बहुत सारे जिले ऐसे हैं, जहां ओले पड़े हैं और कुछ ऐसी जगहें हैं जहां इस साल बिलकुल बारिश नहीं हुई है और वहां सूखा पड़ा हुआ है । पूरा कांट्राडिक्शन हो गया है और पूरा इम्पैक्ट एक जगह क्लाइमेट चैंज का हो रहा है, इसके कारण किसान बहुत दिक्कत में आ गया है, चाहे अंगूर हो, प्याज हो, केला हो, गेहूं हो, धान हो, कपास हो, कोई भी सब्जी हो, सोयाबीन हो । आप यवतमाल जाएं तो सोयाबीन और कपास की चिंता है, अगर आप वेस्टर्न महाराष्ट्र में जाएं, नासिक में जाएं, बुलढ़ाणा में जाएं, जलगांव में जाएं तो वहां का प्याज का किसान दिक्कत में आ गया है । बहुत सारी जगहें ऐसी हैं जहां यह इम्पैक्ट बारिश और ओलों के कारण या सूखे के कारण है । इसके अलावा दूध का भाव नहीं मिल रहा है, जिससे महाराष्ट्र के किसान बहुत दिक्कत में हैं । हमारी मांग है और महाराष्ट्र की सरकार ने शायद केन्द्र सरकार को लिखा भी है, यहां से टीम जल्द से जल्द महाराष्ट्र जाए और महाराष्ट्र को मदद करे । महाराष्ट्र के जो मेहनत करने वाले सारे किसान हैं, उन सबका पूरा ऋण माफ हो, उनको कर्ज माफी मिले और उनको नया कर्ज भी मिले । इसके अलावा क्लाइमेट चैंज का पूरा मैनेजमेंट करके और एक्सपर्टीज लगा करके आगे किसान कैसे काम करे, इसके लिए भी बड़ा इंटरवेंशन केन्द्र सरकार को करना पड़ेगा ।

महाराष्ट्र का हर एक किसान जो मेहनत करने वाला है, उसको अभी बैंक्स से पैसे लेने की जरूरत है, सरकार को भी इसके लिए मदद करनी चाहिए और क्लाइमेट चेंज का जो इम्पैक्ट हो रहा है, उसके लिए हम सबको मिलकर काम करना पड़ेगा । चाहे कोविड का समय हो, जब भी किसानों को दिक्कत आती है तो उनके लिए न तो कोई लॉकडाउन होता है और न ही उनके सुख-दुख में कोई होता है । इसलिए मेरी केन्द्र सरकार से विनती है कि वह महाराष्ट्र के सभी किसानों का पूरा कर्जा माफ करें ।